बातों बातों में कुछ ख़ास है???!!

अप्रैल 2024

पार्वतीबाई चौगुले महाविद्यालय
हिंदी विभाग

संपादकीय

प्राध्यापिका - अलका गावस

छात्रों में साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना इस पत्रिका का मुख्य उद्देश्य है। इस पत्रिका के माध्यम से छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया है। इस पत्रिका के अंतर्गत छात्रों द्वारा रचित कविता,आलेख, चुटकुले हैं।

मार्गदर्शक - डॉ. प्रदीप जटाळ

अनुक्रमणिका

कविताएँ

1. मोहब्बत की चाहत, दोस्ती से आगे, कर पाओगे क्या ,दुनिया, पाबंदियाँ (पृ क्र. 4-6)

आलेख

2. चंदरेश्वर भूतनाथ मंदिर (पृ क्र.7)

चुटकुले

3. चुटकुले (पृ क्र. 8)

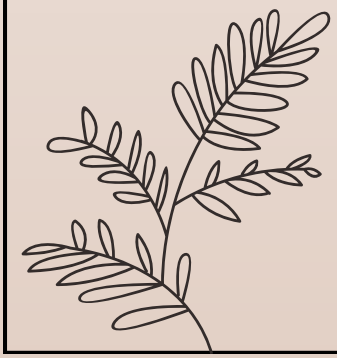

मोहब्बत की चाहत

मेरी मोहब्बत की चाहत
आप से अलग है।
आप खूबसूरती की तलाश में है
पर हम सिर्फ सच्ची मोहब्बत की
तलाश में है ।
मेरी मोहब्बत की चाहत
आप की मोहब्बत से जुदा है,
आप ख्वाब हो किसी का
पर इंशाअल्लाह मेरे हक्क में कबूल होने
वाली सबसे खूबसूरती है वो ।
मेरी मोहब्बत की चाहत
आप की चाहतों से जुदा है
में ख़याल हूँ आपका
पर आप मेरी मेरे ख्वाबों की हक़ीक़त की तरह है
मेरी मोहब्बत की चाहत
सबसे अलग है ।
आपकी मोहब्बत आप के साथ है
और मेरी मोहब्बत सिर्फ मेरा एक ख़याल है
मेरी मोहब्बत की चाहत
सबकी मोहब्बत से जुदा है

दोस्ती से आगे

हम उन्हें चाहते है ये वो जानते नहीं
परवाह में उनकी हम सोते नहीं
हम चाहते है उन्हें पर जाताते नहीं
इत्तेफाक तो देखो
चाहत उन्हें भी है
पर वो शक्स हम नहीं
दोस्त हैं हम
फर्क़ सिर्फ इतना है
हम मोहब्बत में दीवाने हो चले
और वो दोस्त से आगे हमें कुछ समझते नहीं

कर पाओगे क्या

अपना लोगे मुझे जैसी मैं हूँ
लेकिन मोहब्बत भरी निगाहों से
मुझे कभी देख पाओगे क्या ?

इज्जत और मोहब्बत
सबका ख़याल रखूंगी
लेकिन तुम मेरे जज़्बातों का
खयाल रख पाओगे क्या?
थक कर आओगे जब काम से
इंतजार करता पाओगे हमें
लेकिन तुम मुझे अपना थोड़ा सा
वक्त दे पाओगे क्या?

साथ दूँ जो तुम्हारा
कभी मेरे लिए लोगों के खिलाफ
खड़ा हो पाओगे क्या?

तुम्हारे हर ख़याल को समझकर
तुम्हारी दुनिया सवार दूँ
लेकिन तुम मुझ पर भरोसा
रख पाओगे क्या?

नाराजगी को सहकर
करूं जो नाराजगी को दूर तो तुम मेरी
कोशिशें समझ पाओगे क्या?

तुम पर अपनी जान भी वार दूँ
तुम मेरे लिए मोहब्बत भरे
चंद अल्फाज़ जुटा पाओगे क्या?

लोग कहते हैं
लड़के होते है अय्याश
मेरे साथ मिलकर लोगों को
गलत साबित कर पाओगे क्या? .

दुनिया

ये दुनिया गम बांटने की नहीं सहने की जगह है
तुझे रोता देख कर कोई मुस्करा रहा है ।
यहाँ गम हर किसी को है
पर दूसरे का गम जान कर
हर शक़्स हस रहा है ।
किसी को खुश देख कर हर कोई उसके
ग़मों में बरकत की दुआ कर रहा है ।
ये दुनिया तेरे ग़मों का सहारा नहीं है
यहाँ हर दूसरा शक्स मरहम
 की शीशी में नमक लिए चल रहा है

पाबंदियाँ

सलाखों की आड़ से देख
रही वो दुनिया थी।

देखने पर भी पाबंदी थी
ये बात वो कहाँ जानती थी।

उस भूल की उसे सजा मिली थी
क्या दुनिया देखने की चाहत
इतनी बड़ी गलती थी।

एक मासूम को चोट पर भी चीखने
की आजादी नहीं मिली थी।

पाबंदियों में आजादी लगती
उसे जन्नत की छुअन सी थी।
पाबंदियों की वज़ह से ही दफ़नाई
उसने अपनी हर चाहत थी

आलेख

दिव्या गावकार

चंद्रेश्वर भूतनाथ मंदिर

श्री चंद्रेश्वर भूतनाथ मंदिर गोवा का बहुत पुराना एवं प्रसिद्ध मंदिर है जो भगवान शिव को समर्पित किया है। ऐसा कहा जाता है कि चंद्रेश्वर भगवान शिव के अवतार हैं और उन्हें चंद्रमा के देवता के रूप में पूजा जाता है। मान्यता के अनुसार जब चंद्रमा की किरणे लिंग पर पड़ती है तो उसमें से पानी रिसने लगता है। शिवलिंग को इस तरह से स्थापित किया गया है कि पूर्णिमा की रात को चंद्रमा की किरणे उस पर पड़ती है। इस मंदिर के बगल में एक छोटा मंदिर है जो भूतों के देवता श्री भूतनाथ को समर्पित है, जो भगवान शिव का दूसरा नाम भी है। प्रत्येक सोमवार की शाम को देवता की पालकी यात्रा निकाली जाती है और फिर पूजा करने वालों को भोजन दिया जाता है। यह दोनो मंदिरों की मूर्ति इस तरह स्थित है कि चंद्रेश्वर की मूर्ति और भूतनाथ की मूर्ति दोनों एक दूसरे को देखते हुए है।

चुटकुले

पत्नी : शादी से पहले तुम मंदिर बहुत जाते थे। अब क्या हो गया?

पति: फिर मेरी शादी तुमसे हो गई और मेरा भगवान पर से भरोसा उठ गया।

चिंटू : मम्मी क्या मैं भगवान की तरह दिखता हूँ ?
मम्मी : ऐसा क्यों पूछ रहे हो बेटा?
चिंटू : क्योंकि मैं कहीं भी जाता हूँ तो सब यही कहते हैं कि है भगवान ये फिर आ गया।